www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

सत्यमेव जयते

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 530

रोज़गार समाचार

साप्ताहिक

खंड 44 अंक 31 पृष्ठ 48 | नई दिल्ली 2 - 8 नवम्बर 2019 | ₹ 12.00

प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण पाठ्यक्रम - ध्रुव

ईएन टीम

समूचे भारत से 60 विद्यार्थियों को 'ध्रुव तारा' के खिताब से सम्मानित किया गया है, जिन्होंने प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण पाठ्यक्रम - ध्रुव सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया. यह पाठ्यक्रम केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक पहल है.

ध्रुव पाठ्यक्रम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय बेंगलुरु में 10 अक्तूबर को शुरु हुआ और 23 अक्तूबर को नई दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में सम्पन्न हुआ.

विद्यार्थियों का चयन मुख्य रूप से सरकारी और निजी स्कूलों के 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों में से किया गया था. विज्ञान से संबंधित 30 विद्यार्थियों को 10-10 के 3 समूहों में विभाजित किया गया था. विज्ञान से प्रत्येक समूह को इस क्षेत्र के विशेषज्ञ गुरुजनों के अंतर्गत परियोजनाएं संचालित करनी थीं. इसी प्रकार मंचकलाओं से सम्बद्ध प्रत्येक समूह का नेतृत्व संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा किया गया और प्रत्येक समूह को नृत्य प्रदर्शन का एक कार्यक्रम तैयार करना था. सभी 6 टीमों को पर्यावरण, परिवर्तन, प्रदूषण, आतंकवाद आदि ऐसे विषयपरक मुद्दे दिए गए, जिनका सामना आज समूचे विश्व को करना पड़ रहा है.

भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु ने 23 अक्तूबर, 2019 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित विदाई समारोह में ध्रुव पाठ्यक्रम के अंतर्गत 60 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए. एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने ध्रुव कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि इससे युवाओं में उत्कृष्टता और मौलिकता को बढ़ावा मिलेगा. 60 ध्रुव विद्यार्थियों के पहले बैच को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विज्ञान, गणित और कला विषयों से संबंधित ध्रुव तारे अपने गुरुजनों के मार्गदर्शन में संयुक्त प्रयासों से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करेंगे. इनमें से 30 विद्यार्थी विज्ञान में असाधारण प्रतिभाशाली हैं और अन्य 30 ने मंच कलाओं में विशिष्टता हासिल की है. उन्होंने कहा कि

रूप में मार्गदर्शक का काम करता है.

ध्रुव पाठ्यक्रम को संस्थागत बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इसे समूचे देश में एक आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि विज्ञान संग्रहालयों, विज्ञान प्रयोगशालाओं, नृत्य और संगीत पाठ्यक्रमों जैसे स्थायी मंचों का निर्माण करने की भी आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि ''रंगमंच और कलाएं हमारे स्कूल पाठ्यक्रम का हिस्सा होनी चाहिएं. मुझे उम्मीद है कि मंत्रालय भविष्य में यह कार्य शुरू करेगा''.

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल ने कहा कि यह पाठ्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न को व्यक्त करता है. उन्होंने आशा प्रकट की कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों और समाज दोनों के लिए एक ऐतिहासिक बिंदु सिद्ध होगा. उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों की उपलब्धियों से विश्व को यह पता चलेगा कि 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' देश के सभी भागों से विद्यार्थियों को शामिल किए जाने से ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' की सच्ची भावना भी प्रतिध्वनित हो रही थी. इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि ''ये विद्यार्थी देश में विद्यार्थी कर सकें.''

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु 23 अक्तूबर 2019 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण पाठ्यक्रम-ध्रुव के विदाई समारोह में विद्यार्थियों के गुरुजनों के साथ. केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी दिखाई दे रहे हैं.

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु 23 अक्तूबर 2019 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण पाठ्यक्रम-ध्रुव के विदाई समारोह में विद्यार्थियों के साथ विचार विमर्श करते हुए. केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' भी दिखाई दे रहे हैं.

ध्रुवतारा आकाश में सबसे चमकीले तारों में से एक होता है. खुले सागर में यह तारा यात्रियों के लिए आकाशदीप के 33 करोड़ विद्यार्थियों के लिए आकाशदीप का काम करेंगे और एक बेजोड़ मार्ग तैयार करेंगे, जिसका अनुसरण अन्य

14 दिन के प्रशिक्षण के दौरान कला से सम्बद्ध 30 विद्यार्थियों का मार्गदर्शन इस क्षेत्र से सम्बद्ध जानी-मानी हस्तियों द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया. इनमें सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक सुभाष घई, संसद सदस्य और सूफी गायक हंसराज हंस, ध्रुपद गायक वसीफुद्दीन डागर, प्रसिद्ध गायक मोहित चौहान, तालवादक शिवमणि और अन्य हस्तियां शामिल थीं.

14 अक्तूबर को आईआईटी दिल्ली में एक पूर्वाभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आईआईटी दिल्ली के उपनिदेशकों और शैक्षिक डीन ने हिस्सा लिया. इसके बाद जलवायु परिवर्तन, सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर शैक्षिक व्याख्यान दिए गए. विज्ञान के विद्यार्थियों ने आईआईटी दिल्ली में कुल 4 परियोजनाएं संचालित कीं. 10-10 विद्यार्थियों के 3 अलग अलग समूहों ने 3 परियोजनाएं संचालित कीं. सभी 30 विद्यार्थियों ने एक परियोजना जलवायु परिवर्तन के बारे में संचालित की. जलवायु परिवर्तन संबंधी परियोजना का मूल उद्देश्य बाहरी रेडियो एक्टिव ताकतों को प्रदर्शित करना था, जो धरती का तापमान बढ़ने की जिम्मेदार ग्रीनहाउस गैसों के वायुमंडल में बढ़ते संकेंद्रण से उत्पन्न होती हैं. इस परियोजना के माध्यम से वायुमंडल में बढ़ते एरोसोल संकेंद्रण के प्रभावों को व्यावहारिक रूप से प्रदर्शित किया और सोलर पैनलों के प्रदर्शन का प्रभाव उजागर किया.

तीन अलग अलग समूहों की परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है:-

क) वायुमंडलीय संकेंद्रण में सुधार की विधि के रूप में कार्बन डाइऑक्साइड अनुक्रम को प्रस्तुत करना तथा उसे 2 डिग्री सेल्सियस की सीमा के भीतर रखना.

ख) आधुनिक नैनोफैब्रिकेशन तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए नैनो स्केल उपकरणों का डिजाइन और निर्माण.

ग) विभिन्न शहरी क्षेत्रों में इन एजेंटों की सांद्रता को निर्धारित करने के लिए नोवेल पार्टिकुलेट मैटर और कार्बन डाइऑक्साइड सेंसर का डिज़ाइन और निर्माण.

इन व्यावहारिक परियोजनाओं के अलावा विद्यार्थियों ने वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से लेकर नैनो टेक्नोलॉजी और क्रिप्टोग्राफी तक के क्षेत्रों में विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञों के व्याख्यान से भी सीखा.

उन्होंने सीखा कि जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए इन विविध विषयों के मूल सिद्धांतों को कैसे जोड़ा जा सकता है.

समापन सत्र के दौरान विंग कमांडर रमेश शर्मा पर एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई. इसके अलावा तीन विद्यार्थी नवोन्मेषकों और नवोदित वैज्ञानिकों अर्थात् रिफत शारूक, यज्ञ साई और विजय लक्ष्मीनारायण ने अपनी नवीन परियोजना के बारे में एक प्रेजेंटेशन दिया। इसके अंतर्गत उन्होंने एक नैनो उपग्रह ''कलाम-सैट-वी-2'' का निर्माण किया था, जिसे इसरो द्वारा 24 जनवरी 2019 को प्रक्षेपित किया गया था.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुसार ध्रुव का विस्तार धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों में भी किया जाएगा. आईआईटी दिल्ली ने अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग, एनसीईआरटी, संगीत नाटक अकादमी, स्पिक-मैके और सांस्कृतिक, संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र, दिल्ली के साथ मिल कर विद्यार्थियों के नवीन और रचनात्मक कौशल को बढ़ाने का प्रयास किया.